बिहार सरकार
आपदा प्रबंधन विभाग
बाढ़ 2025 : प्रेस विज्ञप्ति
(04 अगस्त 2025)

समयः पूर्वाह्न 11:00 बजे

1. **वर्षापात : बिहार मौसम सेवा केन्द्र, पटना** के अनुसार राज्य में इस वर्ष जून माह में **121.7 मि0मी0** वर्षापात दर्ज किया गया है जो जून माह के लिए निर्धारित सामान्य वर्षापात से **25 % कम** है। जुलाई माह में **227.6 मि0मी0** वर्षापात दर्ज किया गया है जो जुलाई माह के लिए निर्धारित सामान्य वर्षापात से **33 % कम** है। **01 जून से 04 अगस्त** की अवधि में **448.0 मि0मी0** वर्षापात दर्ज किया गया है जो सामान्य से **16 % कम** है।

2. **बाढ़ की स्थिति :**

भोजपुर जिला : गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि होने के कारण **शाहपुर प्रखण्ड के जबईनिया गांव** में कटाव के कारण लगभग **1500 आबादी** प्रभावित हुई है। प्रभावित लोगों के लिए जिला प्रशासन द्वारा **03 सामुदायिक रसोई केन्द्र के माध्यम से भोजन की व्यवस्था** की गई है। **सामुदायिक रसोई केन्द्रों के माध्यम से अबतक लगभग 36200 (थाली की संख्या) लोगों को भोजन** कराया गया। **वर्तमान में 01 सामुदायिक रसोई केन्द्र का संचालन बन्द** कर दिया गया है। साथ ही, जरूरतमंद **परिवारों के बीच 650 पॉलीथीन शीट्स** का भी वितरण किया गया।

राहत एवं बचाव कार्य के लिए भोजपुर जिला में **एस०डी०आर०एफ० की 01 टीम** तैनात है।

3. **नदियों का जलस्तर :–** केन्द्रीय जल आयोग से प्राप्त सूचना के अनुसार राज्य के निम्नलिखित नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर बह रही है :–

i. **कोसी नदी (बलतारा) :–** खगड़िया जिला के बलतारा में नदी का **जलस्तर** खतरे के निशान से **0.31 मी0 ऊपर** है एवं **प्रवृति बढ़ने (Rising Trend)** की है।

ii. **कोसी नदी (कुर्सेला) :–** कटिहार जिला के कुर्सेला में नदी का **जलस्तर** खतरे के निशान से **0.25 मी0 ऊपर** है एवं **प्रवृति बढ़ने (Rising Trend)** की है।

iii. **बूढ़ी गंडक (खगड़िया) :–** खगड़िया जिला के खगड़िया में नदी का **जलस्तर** खतरे के निशान से **0.42 मी0 ऊपर** है एवं **प्रवृति बढ़ने (Rising Trend)** की है।

iv. **कमला बलान (झंझारपुर) :–** मधुबनी जिला के झंझारपुर में नदी का **जलस्तर** खतरे के निशान के **बराबर** है एवं **प्रवृति बढ़ने (Rising Trend)** की है।

v. **गंगा नदी (कहलगांव) :–** भागलपुर जिला के कहलगांव में नदी का **जलस्तर** खतरे के निशान से **0.45 मी0 ऊपर** है एवं **प्रवृति बढ़ने (Rising Trend)** की है।

vi. **गंगा नदी (गाँधी घाट) :–** पटना जिला के गाँधी घाट में नदी का **जलस्तर** खतरे के निशान से **0.70 मी0 ऊपर** है एवं **प्रवृति बढ़ने (Rising Trend)** की है।

vii. **गंगा नदी (दीघा) :–** पटना जिला के दीघा में नदी का **जलस्तर** खतरे के निशान से **0.12 मी0 ऊपर** है एवं **प्रवृति बढ़ने (Rising Trend)** की है।

viii. **गंगा नदी (हाथीदाह) :–** पटना जिला के मोकामा में नदी का **जलस्तर** खतरे के निशान से **0.56 मी0 ऊपर** है एवं **प्रवृति बढ़ने (Rising Trend)** की है।

ix. **गंगा नदी (बक्सर) :–** बक्सर जिला के बक्सर में नदी का **जलस्तर** खतरे के निशान से **0.23 मी0 ऊपर** है एवं **प्रवृति बढ़ने (Rising Trend)** की है।

4. गंडक एवं कोसी नदियों का जलस्राव :

(क) **गंडक नदी (बाल्मीकिनगर बराज) :– दिनांक 04.08.2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे** गंडक बराज पर नदी का जलस्राव **1,47,500** क्यूसेक दर्ज किया गया एवं इसकी प्रवृत्ति **बढ़ने** की है। दिनांक 04.08.2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे इस वर्ष अबतक का अधिकतम जलस्राव **1,47,500** क्यूसेक दर्ज किया गया है।

विगत वर्ष दिनांक 28.09.2024 को गंडक बराज पर नदी का अधिकतम जलस्राव **5,62,500 क्यूसेक दर्ज किया गया था।**

(ख) **कोसी नदी (वीरपुर बराज) :– दिनांक 04.08.2025 को पूर्वाह्न 10:00 बजे** कोसी बराज पर नदी का जलस्राव **1,74,350** क्यूसेक दर्ज किया गया एवं इसकी प्रवृत्ति **बढ़ने** की है। दिनांक 03.08.2025 को अपराह्न 08:00 बजे इस वर्ष अबतक का अधिकतम जलस्राव **1,91,210** क्यूसेक दर्ज किया गया है।

विगत वर्ष दिनांक 29.09.2024 को कोसी बराज पर नदी का अधिकतम जलस्राव **6,61,295 क्यूसेक दर्ज किया गया था।**

5. **एन०डी०आर०एफ० एवं एस०डी०आर०एफ०** :– संभावित बाढ़ के दृष्टिगत त्वरित गति से राहत एवं बचाव कार्य हेतु **एस०डी०आर०एफ० की 22 एवं एन०डी०आर०एफ० की 06 टीमों** को विभिन्न जिलों में प्रतिनियुक्त किया गया है।

6. **वर्षापात का पूर्वानुमान :– बिहार मौसम सेवा केन्द्र के द्वारा अगले 02 दिनों के दौरान पटना, भोजपुर, बक्सर, सिवान, गोपालगंज, प0 चम्पारण, वैशाली, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया एवं किशनगंज जिलों के भागों में भारी वर्षा (65 से 115.5 मि0मी0 तक) होने की एवं राज्य के अधिकांश स्थानों पर मध्यम स्तर की वर्षा (64 मि0मी0 तक) होने की संभावना व्यक्त की गई है।**

स्थिति पर सतत् निगरानी रखी जा रही है।